

समक्ष श्रीमान राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर कैम्प भोपाल
PIBR/अगसाजी/भोपाल/३०.१०/२०१७/४७९३ निगरानी प्रकरण क्रं.- /पीबीआर/२०१७

०१. श्रीमति ज्योति मित्तल, आयु लगभग ४७ वर्ष
पत्नि श्री आलोक मित्तल

०२. आलोक मित्तल, आयु लगभग ५१ वर्ष
आत्मज श्री रवि प्रकाश

दोनो निवासीगण-ए-६, एम.ए.एन.आई.टी.
भोपाल

.....आवेदकगण

विरुद्ध

श्रीमति तुलसी बाई

पत्नि श्री सूरत सिंह

निवासी-ग्राम खजूरीकलां, तहसील हुजूर

जिला भोपाल

.....अनावेदक

निगरानी अंतर्गत धारा-५० म.प्र. भू-राजस्व संहिता विरुद्ध
प्रत्यावर्तन आदेश दिनांक ३०.१०.२०१७ अंतर्गत प्रकरण
क्रमांक-२/अपील/२०१६-१७ पारित द्वारा न्यायालय अनुविभागीय
अधिकारी महोदय एम.पी. नगर वृत भोपाल पक्षकारगण श्रीमति
तुलसीबाई विरुद्ध ज्योति व अन्य

श्रीमति तुलसी बाई
दिनांक २९-११-१७
को प्रकाश
२९११

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

आदेश पृष्ठ

भाग-अ

प्रकरण क्रमांक . PR/निग/अरा/न/भोपाल/4793

श्रीमती ज्योति मित्तल विरुद्ध श्रीमती तुलसीदास

तहसील जिला भोपाल

आयुक्त के कार्यालय का प्रकरण क्रमांक जिलाध्यक्ष के कार्यालय का प्रकरण क्रमांक

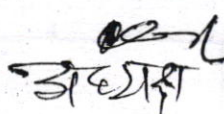
अनुविभागीय पदाधिकारी के कार्यालय का प्रकरण क्रमांक तहसील का प्रकरण क्रमांक

वाद का विषय

अधिनियम एवं धारा जिसके अन्तर्गत प्रकरण यहां प्रस्तुत हुआ है

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभावकों आदि के हस्ताक्षर
<p>30.10.2017</p>	<p>आयुक्त संभाग / जिलाध्यक्ष, जिला के मूल / अपीलीय आदेश दिनांक के विरुद्ध श्री <u>अतुल धारीवाल</u> के अभिभावक द्वारा अपील/पुनरीक्षण/ पुनरावलोकन-पत्र प्रस्तुत किया गया जो पंजीबद्ध किया जा चुका है। पुनरावलोकन अवधि बाह्य है/नहीं है/मुद्रांक शुल्क पूर्ण है/..... रु. की कमी है। आदेश, जिसके विरुद्ध यह अपील/पुनरीक्षण/ पुनरावलोकन है, की प्रतिलिपि संलग्न है/ नहीं है। अपील / पुनरीक्षण / पुनरावलोकन की प्रतियां दी गई हैं/ नहीं दी गई हैं। आव्हान शुल्क दे दिया है/ नहीं दिया है।</p> <p>अवेदकगव की ओर से प्रस्तुतकार अतुल धारीवाल अभिभावक उपस्थित। ग्राह्यता पर सुना गया। अनुविभागीय अधिकारी के आदेश दिनांक 30.10.2017 का अवलोकन करने से स्पष्ट है कि</p>	<p>30/10/17</p> <p>[Handwritten Signature]</p> <p>[Handwritten Signature]</p>

पिपथनिग/र.ग.क.क.क.क/17/4793 मध्यम

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभावकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>अनुविभागीय अधिकारी द्वारा प्रकृत महलीलदा की प्रत्यावर्ति किया गया, अर्थात् सैलियों की धारा पत्र में दूधे सुशोधन के प्रयत्नप इपीवीप प्राधिकारी को प्रकृत प्रत्यावर्ति करने की आधिकारिता नहीं रह गई है। अतः अनुविभागीय अधिकारी का आदेश निरस्त किया जाकर निर्देश दिये जाते हैं कि उभय पक्ष को सुनकर प्रकृत को उपरोक्त से अंतिम निराकरण करें।</p>	<p> अध्यक्ष</p>

